



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रामाण्य से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 554]
No. 554]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 20, 1992/श्रावण 29, 1914
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 20, 1992/SRAVANA 29, 1914

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिनियम

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1992

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उपा-
दलाल) नियम, 1992

का.आ. 6:7(अ) —कन्दल स.का., भारतीय प्रतिभूति और
विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) का धारा 19
द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते
हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इस विनियम का
संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल
और उपा-दलाल) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अस्पष्टता
प्रपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
अधिनियम 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है।

(ख) "प्रमाणपत्र" से बोर्ड द्वारा जारी किया गया रजिस्ट्रारण
प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

(ग) "नियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक
दलाल और उपा-दलाल) नियम 1992 अभिप्रेत है।

(घ) "स्टॉक एक्सचेंज" से ऐसा स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है जो
प्रतिभूति बाजार (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956
का 42) की धारा 3 के प्रमाण केन्द्रों में से एक द्वारा
नियंत्रित मान्यता प्राप्त है।

(ङ) "स्टॉक दलाल" से स्टॉक एक्सचेंज का कोई सदस्य
अभिप्रेत है।

(च) "उपा-दलाल" से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो स्टॉक
एक्सचेंज का सदस्य न होते हुए, ऐसे स्टॉक दलालों की
मार्फत प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनके व्यवहार
में विनिम्नलिखितों की पड़ोसी के विशेष आदेशों के रूप
में या अन्यथा किता स्टॉक दलाल की ओर से कार्य करता
है।

(ख) "विनियम" में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 अभिप्रेत है।

3. रजिस्ट्रार के बिना स्टॉक दलाल या उप-दलाल के रूप में कार्य न करवाएँ—कोई स्टॉक दलाल या उप-दलाल, प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनका व्यवहार तब तक नहीं करेगा जब तक कि उसके पास विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा दिया गया कोई प्रमाणपत्र न हो :

परन्तु ऐसा कोई बोर्ड, जोर अपने ऐसे रजिस्ट्रार के लिये प्रावधान किया है प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनका व्यवहार करना ऐसे प्रावधान के निपटारे आन तक जारी रख सकेगा।

4. स्टॉक दलाल को प्रमाणपत्र दिये जाने की शर्तें—बोर्ड किसी स्टॉक दलाल को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए प्रमाणपत्र दे सकेगा, अर्थात् :—

- (क) वह किसी स्टॉक एक्सचेंज का सदस्यता धारण करता है,
- (ख) वह उस स्टॉक एक्सचेंज या स्टॉक एक्सचेंजों के, जिनका वह सदस्य है विनियमों के अधीन और उन विनियमों का पालन करेगा,
- (ग) प्राप्ति और गठन में किसी परिवर्तन की दशा में, स्टॉक दलाल किसी स्टॉक एक्सचेंज में प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनमें व्यवहार करना जारी रखने के लिये बोर्ड का पूर्ण अनुज्ञा अभिप्राय करेगा,
- (घ) वह विनियमों में उपरिष्ठित शर्तों में रजिस्ट्रार द्वारा दी गई शर्तों का पालन करेगा; और
- (ङ) वह शिकायत मिलने की तारीख के एक मास के अन्तर विनिधानकर्ताओं को शिकायतों को दूर करने के लिये समुचित कदम उठाएगा और ऐसे विनिधानकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों को संख्या, प्रकृति और अन्य विशिष्टियों के बारे में बोर्ड को सूचित रखेगा।

5. उप-दलाल को प्रमाणपत्र दिये जाने की शर्तें :—(1) बोर्ड उप-दलाल को निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, प्रमाणपत्र दे सकेगा, अर्थात् :—

- (क) वह विनियमों में उपरिष्ठित शर्तों में काम का संदाय करेगा,
- (ख) वह शिकायत मिलने की तारीख के एक मास के अन्तर विनिधानकर्ताओं को शिकायतों को दूर करने के लिये समुचित कदम उठाएगा और प्राप्त शिकायतों को संख्या, प्रकृति और अन्य विशिष्टियों के बारे में बोर्ड को सूचित रखेगा; और
- (ग) प्राप्ति और गठन में किसी परिवर्तन की दशा में, उप-दलाल किसी स्टॉक एक्सचेंज में प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनमें व्यवहार करना जारी रखने के लिये बोर्ड की पूर्ण अनुज्ञा अभिप्राय करेगा ;
- (घ) वह स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य होने के लिये प्रतिभूतियों के क्रय, विक्रय या उनके व्यवहार में स्वयं को सहबद्ध करने के लिये स्टॉक दलाल द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किया जाता है ;

परन्तु ऐसा स्टॉक दलाल प्रतिभूतियों का क्रय, विक्रय या उनका व्यवहार करने के लिये हकदार है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th August, 1992

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (STOCK BROKERS AND SUB-BROKERS) RULES, 1992

S.O. 627(E).—In exercise of the powers conferred by section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(2) They shall come into force on the date of otherwise requires—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "certificate" means a certificate of registration issued by the Board;
- (c) "rules" means the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Rules, 1992;
- (d) "stock exchange" means a stock exchange which is for the time being recognised by the Central Government under section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (52 of 1956);
- (e) "stock broker" means a member of a stock exchange;
- (f) "sub-broker" means any person not being a member of a stock exchange who acts on behalf of a stock-broker as an agent or otherwise for assisting the investors in buying, selling or dealing in securities through such stock-brokers;
- (g) "regulations" means the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992.

3. Not to act as stock-broker or sub-broker without registration.—No stock-broker or sub-broker shall buy, sell, deal in securities, unless he holds a certificate granted by the Board under the regulations :

Provided that such person may continue to buy, sell or deal in securities if he has made an application for such registration till the disposal of such application.

4. Conditions for grant of certificate to stock-broker.—The Board may grant a certificate to a stock-broker subject to the following conditions, namely :—

- (a) he holds the membership of any stock exchange;
- (b) he shall abide by the rules, regulations and bye-laws of the stock exchange or stock exchanges, of which he is a member,
- (c) in case of any change in the status and constitution, the stock broker shall obtain prior permission of the Board to continue to buy, sell or deal in securities in any stock exchange,
- (d) he shall pay the amount of fees for registration in the manner provided in the regulations, and
- (e) he shall take adequate steps for redressal of grievances of the investors within one month of the date of the receipt of the complaint and keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaints received from such investors.

5. Conditions of grant of certificate to sub-broker :—(1) The Board may grant a certificate to a sub-broker subject to the following conditions, namely :—

- (a) he shall pay the fees in the manner provided in the regulations;
- (b) he shall take adequate steps for redressal of grievances of the investors within one month of the date of the receipt of the complaint and keep the Board informed about the number, nature and other particulars of the complaints received; and
- (c) in case of any change in the status and constitution, the sub-broker shall obtain prior permission of the Board to continue to buy, sell or deal in securities in any stock exchange;
- (d) he is authorised in writing by a stock-broker being a member of a stock exchange for affiliating himself in buying, selling or dealing in securities.

Provided such stock-broker is entitled to buy, sell or deal in securities.

[F. No. 20(7)/SE/92]

KAMALA PANDE, Jt. Secy.

